Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 63
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,02 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 देशवासियों को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाये

4 जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

5 मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा ने नाश्ते में खाया 'थेपला'

महिलाओं के प्रति अपराध में न्यूनतम , सजा दिलाने में नम्बर वन है यूपी : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नम्बर वन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है। नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित है सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सनातन आस्था की नैतिक जिम्मेदारी के भाव से सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शारदीय नवरात्र की पहली तिथि, 22 सितंबर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया गया है। इसमें महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनके स्वावलंबन जागरूकता के लिए पंचायत स्तर तक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। मिशन शक्ति सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने सदैव नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा है। हरेक कालखंड में इसके दर्शन होते हैं। आज भी प्रत्येक क्षेत्र में भारत की नारी शक्ति ने अपनी ताकत और सामर्थ्य का एहसास कराकर दुनिया को अचंभित किया है। बेटी सुरक्षित तो समाज सुरक्षित मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां बेटी सुरक्षित और सम्मानित है तो वहां का समाज भी सुरक्षित और सम्मानित माना जाता है। उत्तर प्रदेश में ऐसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, कन्या सुमंगला और सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए हैं। इसी क्रम में देश की सर्वोच्च पंचायतों में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी लाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ महिलाओं को किसी न किसी रूप में 12000 रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। 26 लाख बेटियों को जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25000 रुपये के पैकेज वाले कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा गया है। सामूहिक विवाह योजना में धनराशि बढ़ाकर प्रति जोड़ा एक लाख रुपये करके गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह में धन की चिंता से मुक्त कर दिया गया है। विजयदशमी, सनातन विजय का प्रतीक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजयदशमी, भारत के सनातन विजय का प्रतीक है। यह अधर्म, अन्याय और अत्याचार पर धर्म, न्याय और सदाचार के विजय का पर्व है। विजयदशमी पर अत्याचार, अधर्म और अन्याय के प्रतीक रावण के पुतले जलाए जाएंगे और भगवान श्रीराम के राजतिलक के कार्यक्रम आयोजित होंगे

प्रधानमंत्री ने की सीआर पार्क के दुर्गा पूजा पंडाल में देवी की अराधना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महा अष्टमी के अवसर पर दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क में दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया और मंत्रोच्चार के बीच देवी की अराधना की। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित काली बाड़ी में आरती भी की और पारंपरिक बंगाली संस्कृति के अनुसार आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने बाद में सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा कि दुर्गा पूजा समारोह समाज में एकता और सांस्कृतिक जीवंतता की भावना को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज महाअष्टमी के पावन अवसर पर, मैं दुर्गा पूजा समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली के चित्तरंजन पार्क गया। चित्तरंजन पार्क बंगाली संस्कृति से अपने गहरे जुड़ाव के लिए जाना जाता है। यह समारोह वास्तव में हमारे समाज में एकता और सांस्कृतिक जीवंतता की भावना को दशार्ता है। मैंने सभी की खुशी और कल्याण के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के मद्देनजर दक्षिण दिल्ली के इलाकों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और कई मार्गों को लेकर यातायात परामर्श जारी किये गए थे।

सूचना परिसर में हवन, कन्या पूजन

लखनऊ। सूचना निदेशालय में नवरात्रि में महानवमी के अवसर पर बुधवार को हवन पूजन के साथ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन भी कराया गया। गरुवार को यहां पर स्थापित मूर्तियों का विसर्जन किया गया जायेगा। सूचना निदेशालय में इस बार शारदीय नवरात्रि पर मां दुर्गा की आराधना की गयी। साथ ही परिसर में 22 सितम्बर को पहले नवरात्रि पर मां दुर्गा की मूर्तियों को स्थापित किया गया। इसकी रोज सुबह शाम पूजना अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाता था। इसी कड़ी में महानवमी पर बुधवार को परिसर में विधि विधान से हवन पूजन किया गया। साथ ही कन्याओं के पांव पखार कर उनका पूजन एवं उन्हें भोजन कराने के उपरांत उपहार देकर विदा किया गया। विजय दशमी के दिन गुरवार को इन मूर्तियों का विसर्जन किया जायेगा। इस अवसर पर सूचना वं जनसंपर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह, अपर निदेशक अरविंद मिश्रा, सहायक निदेशक अत्रेय मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, संदीप ओझा, प्रमोद कुमार, परशुाम मौर्य, सूचना अधिकारी धर्मवीर भारती, प्रदीप कुमार सिंह सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे

आरएसएस ने एक भी काम ऐसा नहीं किया जिससे देश को नुकसान छोड़ कोई फायदा पहुंचा हो: कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) 100 साल का हो चुका है लेकिन अपनी स्थापना से अब तक उसने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे देश को फायदा हुआ है। कांग्रेस ने बुधवार को यहां सोशल मीडिया पर एक बयान में संघ पर अंग्रेजों का मुखबिर होने का आरोप लगाया और कहा कि इस संगठन ने हिंदुओं और मुस्लिमों का सांप्रदायिक विभाजन कर, देश को दो टुकड़ों में बांटकर खोखला कर दिया है। पार्टी ने कहा कि संघ का आज शताब्दी वर्ष है लेकिन इन सौ वर्षों में इस संगठन ने एक भी काम ऐसा नहीं किया जिससे देश को नुकसान छोड़ कोई फायदा पहुंचाया हो। पार्टी ने संघ को देश को बांटने वाला संगठन बताया और कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान उसके नेता न जेल गए और न ही अंग्रेजों ने उस पर कभी प्रतिबंध लगाया था। कांग्रेस ने तीखा हमला करते हुए कहा कि 1942 में अंग्रेजों के खिलाफ शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन में जब पूरा देश जेल जा रहा था, तब संघ इस आंदोलन को दबाने में अंग्रेजों की मदद कर रहा था। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस संगठन का एक भी नेता आजादी की लड़ाई में जेल नहीं गया और महात्मा गांधी, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे देशभक्तों और क्रांतिकारियों को अराजक कहकर ब्रिटिश शासन के पक्ष में काम करता रहा। पार्टी ने संघ पर यह भी आरोप लगाया कि उसने संविधान निर्माण के लिए अपने एक भी प्रतिनिधि को संविधान सभा में नहीं भेजा था इसलिए शुरू से ही वह (आरएसएस) संविधान को नकारता रहा है।

बिगड़ेगा रसोई का बजट, एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

नयी दिल्ली : तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से वाणिज्यिक एलपीजी (रसोई गैस) सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम 15.50 रुपये बढ़ गये हैं। वहीं 14.12 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले इस साल मार्च के बाद लगातार छह बार वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गयी थी। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में आज से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 1,580 रुपये की बजाय 1,595.50 रुपये का मिलेगा।

भाजपा बंदूक के बल पर लोगों को राष्ट्रगान के लिए खड़े होने को मजबूर कर रही है: महबूबा मुफ्ती

जम्मू : पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को बीजेपी पर कश्मीर में लोगों को बंदूक के बल पर राष्ट्रगान के लिए खड़े होने को मजबूर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान के दौरान लोगों का खड़ा न होना सरकार की विफलता है। महबूबा ने यहां बघाट इलाके में एक खेल मैदान के दौरे के दौरान संवाददाताओं से कहा, ह्यह्ययह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां वह लोगों को बंदूक के बल पर राष्ट्रगान में खड़े होने के लिए मजबूर कर रही है। मुझे अपने छात्र जीवन की याद आती है जब भी राष्ट्रगान होता था

हम उसके सम्मान में खड़े होते थे। तब कोई जबरदस्ती नहीं की जाती थी। यह उनकी विफलता है। टीआरसी फुटबॉल मैदान में मंगलवार शाम राष्ट्रगान के दौरान बैठे रहे कई युवाओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया और महबूबा मुफ्ती इसी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने बघाट-ए-बरजुल्ला स्थित एक निजी स्कूल-ह्यमुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट (एमईटी) के खेल के मैदान का दौरा किया। ऐसी खबरें थीं कि पुलिस इस मैदान का उपयोग शहीद स्मारक बनाने के लिए करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) से इस मामले में हस्तक्षेप करने और एमईटी स्कूल के मैदान को छोड़ने की अपील करती हूं ताकि युवा और स्थानीय लोग खेल तथा विवाह जैसी अन्य सामुदायिक गतिविधियों के लिए सार्वजनिक स्थान का उपयोग जारी रख सकें। अगर यह मैदान भी छीन लिया गया तो युवा भटक सकते हैं और नशे या अन्य अवांछित गतिविधियों का शिकार हो सकते हैं। महबूबा ने शहर के चट्टाबल क्षेत्र में एक डेयरी फार्म ग्राउंड का भी दौरा किया जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की। स्थानीय लोगों की मांग है कि इस डेयरी फार्म ग्राउंड को उनके लिए खुले रहने दिया जाए क्योंकि उनके पास यह मैदान एकमात्र खेल मैदान है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बिगड़ी तबियत

बेंगलुरु: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक तय प्रक्रिया के लिए यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्हें पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रियंक ने कहा कि उनके पिता की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। प्रियंक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी और उन्हें तय प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का आभारी हूं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एम एस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को अस्पताल में खरगे से मुलाकात की। खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। सिद्धरमैया ने खरगे से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा, उन्हें (खरगे को) थोड़ी बेचैनी थी, इसलिए वह जांच के लिए अस्पताल आए। वह ठीक हैं और बातचीत रहे हैं। उन्हें कल छुट्टी दे दी जाएगी।

फॉर्मर रजिस्ट्री का 50 फीसदी कार्य पूर्ण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसानों के पंजीकरण पर जोर दे रही है। प्रदेश में 50 प्रतिशत तक फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो चुका है। एक अप्रैल 2026 से पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त उन्हीं किसानों को मिलेगी जिन्होंने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया होगा। ऐसे में सरकार किसानों के रजिस्ट्रेशन पर जोर दे रही है। प्रदेश सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को पीएम किसान पोर्टल पर प्रत्येक किसान का विवरण अपडेट कराने एवं 16 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन शिविर लगाने के निर्देश दिये हैं। हर गांव में कम से कम एक शिविर आयोजित करना होगा। साथ ही किसानों को मौके पर पंजीकरण और विवरण अपडेट करने की सुविधा दी जाएगी। प्रदेश में अब तक 50 प्रतिशत से अधिक फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो चुका है।

गांधी जयंती, लाल बहादुर की जयंती आज

लखनऊ। विजय दशमी के साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती कल गुरुवार को धूम धाम से मनायी जायेगी। महात्मा गांधी का संपूर्ण जीवन एक संदेश है। सत्य और अहिंसा के जिस मार्ग पर चलकर उन्होंने देश को आजादी दिलाई, वही मार्ग आज भी हमें नैतिकता, अनुशासन से जीने की प्रेरणा देता है। बापू के आदर्श आज भी मानवता के पथप्रदर्शक है। इसी तरह पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का ह्यजय जवान, जय किसानह्ल का मंत्र भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है। उनका सादा जीवन और उच्च विचार हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। सभी सरकारी कार्यालयों में गत वर्ष के भांति इस बार भी इन दोनों महापुरुषों की जयंती मनायी जायेगी। लेकिन स्कूल कालेजों में अवकाश के कारण यह आयोजन नहीं होगा।

बरेली हिंसा में अब तक 81 आरोपी अरेस्ट

बरेली: 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर बरेली में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के ताजा घटनाक्रम में 81 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। खबरों के अनुसार, पथराव मामले में मुख्य साज़िशकर्ता के रूप में उभरे मौलाना तौकीर रजा के दाहिने हाथ डॉ. नफीस को भी गिरफ़्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इस साज़िश में बंगाल और बिहार के तीन लोग शामिल हैं। मामले में कई बड़े खुलासे हुए हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि हिंसा की योजना एक हफ़्ते पहले ही बना ली गई थी और इससे जुड़े

संदेश सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, दंगों की योजना 19 सितंबर से ही बननी शुरू हो गई थी। बताया जा रहा है कि बरेली के आजमनगर में हुए दंगों में शामिल होने के लिए कई लोग गए थे। बताया जा रहा है कि शाहजहाँपुर से भी दंगाइयों को बुलाया गया था। हिंसा के बाद बरेली में कई घरों में ताले लगा दिए गए हैं। पुलिस दोषियों को पकड़ने के लिए और सबूत इकट्ठा कर रही है। शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। जुमे की नमाज पर भी नजर रखी जाएगी। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है। डीआईजी बरेली एके साहनी ने कहा कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पुलिस रूट मार्च और पैदल गश्त कर रही है। हम सभी पक्षों से बात कर रहे हैं। त्योहारों के मद्देनजर, सीआरपीएफ और जिला बल के साथ पीएसी, अर्धसैनिक बल की 10 कंपनियां यहां तैनात हैं। हम जनता से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील करते हैं। उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। आई लव मोहम्मद विवाद के बीच, उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में अधिकारियों ने कानून और व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कसम खाई है, और आगे की जांच जारी है।

रेलवे उपकरणों का बड़ा निर्यातक बन रहा है भारत

लोकोमोटिव गिनी गणराज्य में पहुंचे)

गोरखपुर। भारतीय रेलवे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के तहत बोगियों, कोचों, लोकोमोटिव और प्रणोदन प्रणालियों सहित महत्वपूर्ण रेलवे उपकरणों के वैश्विक निर्यातक के रूप में तेजी से उभर रहा है। यह बढ़ता निर्यात क्षेत्र भारत की डिजाइन, विकास और मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड को दशार्ता है। भारत के रेलवे उत्पाद तेजी से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहे हैं। मेट्रो कोच ऑस्ट्रेलिया और कनाडा को निर्यात किए गए हैं, बोगियां ब्रिटेन, सऊदी अरब, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया को, प्रणोदन प्रणालियां फ्रांस, मैक्सिको, रोमानिया, स्पेन, जर्मनी और इटली को, यात्री कोच मोजाम्बिक, बांग्लादेश और श्रीलंका को, तथा लोकोमोटिव मोजाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश और गिनी गणराज्य को निर्यात किए गए हैं। जून 2025 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मढ़ौरा लोकोमोटिव निर्माण संयंत्र से गिनी गणराज्य के लिए निर्यात हेतु पहले इंजनों को हरी झंडी दिखाई। अब तक, मढ़ौरा में निर्मित 6 इंजनों का सफलतापूर्वक निर्यात किया जा चुका है। हाल ही में, ये इंजन गिनी गणराज्य पहुंच गए हैं। मढ़ौरा प्लांट ने इवोल्यूशन सीरीज के इंजनों के निर्यात के लिए दूसरा रणनीतिक ऑर्डर हासिल कर लिया है, जिससे अफ्रीका के लिए कुल निर्यात लगभग 150 इकाइयों का हो गया है।

4,500 एचपी इवोल्यूशन सीरीज इंजन से युक्त ये लोकोमोटिव, अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता और उच्च तापमान वाले वातावरण में भी सिद्ध प्रदर्शन प्रदान करते हैं। ये लोकोमोटिव भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की मांगों को पूरा करने की क्षमता को दशार्ते हैं। बिहार में मढ़ौरा संयंत्र की सफलता रणनीतिक सार्वजनिक-निजी भागीदारी का प्रमाण है, जो नवाचार, कौशल विकास और वैश्विक रेलवे आपूर्ति श्रृंखला में प्रभावी योगदान देने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

उत्तर रेलवे मुख्यालय द्वारा स्वच्छता जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नयी दिल्ली : उत्तर रेलवे द्वारा आज बड़ौदा हाउस के प्रांगण में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस

अवसर पर मुख्य कार्मिक अधिकारी (IR) श्री राजीव बाजाज, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (IR) श्री अवधेश कुमार तथा सहायक कार्मिक अधिकारी श्री नरदेव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नुक्कड़ नाटक में कलाकार श्री अनुप, श्री भरत, श्री रंजीत, श्री परिवेश, श्री अमन, श्री हरीश, श्री हेमंत एवं सुश्री मीनाक्षी ने भाग लिया । नाटक का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा कचरे के सही प्रबंधन के महत्व को उजागर करना था और आमजन तक यह संदेश पहुंचाना था कि ₹स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि हम सभी घर-घर और कार्यस्थल पर सफाई रखें, कचरे को सही स्थान पर डालें और प्लास्टिक के उपयोग को कम करें, तो देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों ने कलाकारों के प्रयास की सराहना की और इसे एक सार्थक पहल बताया।

AISMNF के उत्तर प्रदेश के मंडल अध्यक्षों की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फैडरेशन ने पूर्व व पश्चिम क्षेत्रों के जिलों को 6 जोन में विभाजित करते हुए मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गयी है। अक्रटठऋके राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न और प्रदेश अध्यक्ष शुहेब अहमद ने संयुक्त विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया है कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमजद हुसैन होंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मुकेश गोयल, महासचिव की नीरज गुप्ता एवं सचिव की सौरभ वार्ष्णेय निभायेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी परवेज आलम, महासचिव अनिल त्रिपाठी और सचिव की जिम्मेदारी मुम्ताज खान के कंधों पर रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष सुहेब अहमद ने प्रथम चरण में मंडल अध्यक्षों के नामों की घोषणा करते हुए जानकारी दी कि मेरठ मंडल के संदीप सिंघल, सहारनपुर मंडल के सरदार अहमद, अलीगढ़ मंडल के पंकज धीरज, लखनऊ मंडल के अनिल सिंह, कृष्ण कुमार चतुवेर्दी वाराणसी, अनुपम शुक्ला प्रयागराज, आशीष सक्सेना मुरादाबाद, मृत्युंजय शंकर सिन्हा गोरखपुर, दीपक राजावत झांसी, राजेश्वर सिंह बांदा, नरेंद्र प्रताप आजमगढ़ व राजेश पटेल मिजार्पुर के लिए नियुक्त किये गये हैं। उन्होंने जानकारी दी कि नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री और प्रदेश मंत्री अपने-अपने जोन में संगठनात्मक कार्यों का संचालन करेंगे। ईस्टर्न जोन में वाराणसी, प्रयागराज,बांदा, झांसी, मिजार्पुर, आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती मंडल हैं जबकि वेस्टर्न जोन में लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ, सहारनपुर मंडल हैं। नियुक्त पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में मंडल महामंत्री, जिला अध्यक्ष और जिला टीम का गठन करेंगे।

2 अक्टूबर से शुरू होने वाले विशेष अभियान 5.0 की सफल शुरूआत के लिए भारतीय रेलवे में तैयारियाँ जोरों पर

गोरखपुर :रेल मंत्रालय में विशेष अभियान 5.0 के सफल क्रियान्वयन के लिए तैयारियाँ जोरों पर हैं। यह अभियान सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत रूप देने के लिए की गई एक खास पहल है, जिसकी शुरूआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी। यह अभियान संपूर्ण भारतीय रेलवे में लागू किया जाएगा। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज रेलवे बोर्ड कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने की। बैठक में सभी महाप्रबंधक/क्षेत्रीय रेलवे, महाप्रबंधक/पीयू, महानिदेशक/आरडीएसओ एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा एमडी/सीएमडी/पीएसयू के साथ-साथ रेलवे बोर्ड के संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने सभी क्षेत्रीय रेलों और अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों के महाप्रबंधकों को अभियान की गतिविधियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया। विशेष अभियान 5.0 के तहत प्रमुख लक्ष्यों में स्क्रैप निपटान से राजस्व अर्जित करना, ई-कचरा प्रबंधन, स्थान का अधिकतम उपयोग, ई-फाइलों की समीक्षा और उनका निराकरण तथा लंबित संदर्भों और जन शिकायतों का समय पर निपटान सुनिश्चित करना शामिल है। स्वच्छता अभियान चलाने के अलावा, अपशिष्ट से धन अर्जित करने की पहल और प्रभावी ई-फाइल प्रबंधन पर खास जोर दिया जाएगा। जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, अमृत संवाद के रूप में नागरिक-केंद्रित पहल सभी प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित की जाएँगी, जिनमें 105 अमृत भारत स्टेशन भी शामिल हैं। अभियान के दौरान की गतिविधियों और उपलब्धियों को सोशल मीडिया, स्थानीय समाचार चैनलों और प्रेस विज्ञप्तियों आदि के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा। रेल मंत्रालय विशेष अभियान 5.0 को उचित तरीके से लागू करने और इसे एक बड़ी सफलता बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ये गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार चलाई जायेंगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों का संचलन बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार चलाई जायेंगी।

संचलन बहाल की जाने वाली गाड़ियाँ-

-जम्मूतवी से 03 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-बरौनी से 05 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 14691 बरौनी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गुवाहाटी से 01 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15653 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 03 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15654 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-भागलपुर से 02 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 04 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 12588 जम्मूतवी-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गोरखपुर से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 07 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गुवाहाटी से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 08 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15652 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

लखनऊ जं. पर स्वच्छता की शपथ लेते हुए रेलकर्मचारी एवं सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत 01 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा तीनो मंडलों-लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर में सामूहिक स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। 01 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ह्यस्वच्छता ही सेवाह्य के तहत स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, जन संवाद, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन किया गया साथ ही गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, ऐशबाग, लखनऊ जं. सहित अन्य स्टेशनों तथा गोंडा एवं ऐशबाग डिपो, कॉलोनियों एवं मंडलीय चिकित्सालयों में स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की गई। विभिन्न स्टेशनों पर गहन साफ-सफाई की गई। इस अभियान के अन्तर्गत वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वाराणसी, छपरा, मऊ, गाजीपुर एवं बलिया स्टेशनों पर रेल यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्वच्छता शपथ, सार्वजनिक जागरूकता कार्यशाला, पैम्फलेट, सेल्फी प्वाइंट, सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता संवाद आदि का आयोजन किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत इज्जतनगर मंडल के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों एवं कॉलोनियों में स्वच्छता की शपथ एवं स्टेशन परिसर में ह्यस्वच्छ रेल, स्वच्छ भारतह्य थीम पर मॉर्निंग प्रभात फेरी निकाली गई। इसक अन्तर्गत स्टेशनों एवं कालोनियों में साफ-सफाई का आयोजन किया गया तथा स्वच्छता सेल्फी ली गई। स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर में ललित नारायण मिश्रा रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर द्वारा एक विशेष सघन सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर के अंतर्गत आनेवाली रेलवे कॉलोनियों एवं चिकित्सालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के दौरान स्वच्छता ही सेवा-2025 के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता जागरूकता रैली, सफाई अभियान, सफाई मित्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, स्वच्छता शपथ, अपशिष्ट प्रबंधन एवं जनजागरूकता गतिविधियों का संचालन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय के सभी चिकित्साधिकारी, स्वास्थ्य कर्मियों, निरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और रेलवे कॉलोनी को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल स्वच्छ वातावरण बनाए रखना है, बल्कि आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना को भी सशक्त करना है। रेलवे चिकित्सालय के चिकित्सक, स्वच्छता कर्मचारियों ने संकल्प लिया है कि स्वच्छता ही सेवा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सत्त जनआंदोलन है, और इसे निरंतर जारी रखते हुए रेलवे परिसर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सभी प्रयास किए जाते रहेंगे।

क्राप सर्वे अभियान में शंका समाधान के लिए गठित हुआ कंट्रोल रूम

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र के गांवों में खरीफ फसल को लेकर क्राप सर्वे को लेकर चलाए जा रहे अभियान में प्रशासन ने ग्रामीणों से सहयोग मांगा है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने बताया है कि आगामी दस अक्टूबर तक क्षेत्रीय लेखपालों व पंचायत सहायक तथा रोजगार सेवक के द्वारा गांवों में सर्वे अभियान का संचालन किया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि यह सर्वे कर्मचारियों द्वारा मोबाइल फोन एप से किया जा रहा है। उन्होने अभियान को लेकर कतिपय ग्रामों में अभद्रता की शिकायत के निस्तारण को लेकर तहसील स्तरीय अधिकारियों के कंट्रोल रूम के भी गठन की जानकारी दी है। उन्होने ग्रामीणों से कहा है कि अभियान को लेकर किसी भी प्रकार के संदेह अथवा भ्रम की स्थिति में राजस्व विभाग के कंट्रोल रूम से समाधान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मारपीट का आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। विवाहिता के साथ मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी पति को जेल भेज दिया। उदयपुर निवासी रमाशंकर वैश्य की पुत्री पूजा 27 का विवाह चाहिन गांव निवासी लवकुश वैश्य पुत्र छोटू के साथ हुआ। आरोप है कि बीती उन्तीस सितंबर को दहेज की मांग को लेकर पति लवकुश ने पूजा को जमकर मारापीटा। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के दरोगा नंदलाल यादव ने बताया कि बुधवार सुबह आरोपी पति को रामपुर कसिहा के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

महानवमी पर हुआ भण्डारा, शिक्षक विधायक ने किया लोकमंगल की कामना

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत के राजेन्द्र नगर चौराहे पर महानवमी को लेकर हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मां दुर्गा पूजा पाण्डाल में हुए भजन संकीर्तन में भी श्रद्धालुओं को आनंदित देखा गया। भण्डारे का संयोजन पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी व अधिवक्ता संजय द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी भी शामिल हुए। उन्होने कहा कि नवमी का पर्व आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना से लोकमंगल को मजबूती प्रदान किया करता है। आयोजन समिति द्वारा शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सभासद डा0 श्रवण प्रजापति, शिवकुमार तिवारी, संजीव पाण्डेय, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, मनीष मिश्र, विमलेश नारायण तिवारी, अक्षत तिवारी, कल्लू तिवारी आदि रहे। आभार प्रदर्शन सह संयोजक राकेश द्विवेदी ने किया।

शासन द्वारा आलू बीज विक्रय दर का किया गया निर्धारण–जिला उद्यान अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि उ0प्र0 शासन द्वारा वर्ष 2025-26 में आलू बीज विक्रय दर का निर्धारण किया गया है। उन्होने बताया है कि आलू बीज श्रेणी आधारित द्वितीय टुथफूल आधारित प्रथम ओवर साइज के तहत प्रथम सीड साइज 3715 रुपए प्रति कुन्तल, द्वितीय सीड साइज 3510 रुपए प्रति कुन्तल, प्रथम ओवर साइज 2840 रुपए प्रति कुन्तल, द्वितीय ओवर साइज 2785 प्रति कुन्तल व द्वितीय टुथफूल 2760 प्रति कुन्तल निर्धारित हैं। सफेद एवं लालू की प्रजातियों की विक्रय दरें एक समान है। इच्छुक कृषक विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर सम्पर्क कर सकते है।

भरत मिलाप के तहत नगर पालिका अन्तर्गत आबकारी दुकाने 04 अक्टूबर को सायं 5 बजे से मेला समाप्ति तक रहेंगी बन्द–जिला मजिस्ट्रेट

प्रतापगढ़। जनपद में भरत मिलाप के अवसर पर लोकशान्ति व्यवस्था बनाये रखने व विधिक व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से आबकारी अधिनियम-1910 की धारा-59 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने भरत मिलाप के दृष्टिगत जनपद प्रतापगढ़ में बेल्हा नगर पालिका के अन्तर्गत स्थित देशी मदिरा दुकान भंगवा चुंगी, स्टेशन रोड, बाबागंज (सदर), सदर बाजार, जेल रोड अचलपुर, मकन्द्रूगंज, चिलबिला, महुली, कचेहरी रोड एवं सिविल लाइन, कम्पोजिट दुकानें-भंगवा चुंगी, स्टेशन रोड, बाबागंज, मकन्द्रूगंज, सदर बाजार, चिलबिला, महुली, सिविल लाइन एवं मॉडल शाप विवेक नगर व कचेहरी रोड (डीआईओएस आफिस से पीडब्लूडी चौराहा संजय मार्केट तक) तथा भांग की दुकान-सिविल लाइन, भंगवा चुंगी, बाबागंज, सदर बाजार, चिलबिला आबाकारी दुकाने दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को सायं 5 बजे से मेला समाप्ति अवधि तक पूर्णतया बन्द रहेगी। इस बन्दी के लिये सम्बन्धित अनुज्ञापियों को किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति देय नहीं होगी।

जनपद में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर आयोजित होगें विविध कार्यक्रम-जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है जनपद में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती समारोह को पूरे उत्साह व भव्यता के साथ मनाया जायेगा एवं विविध कार्यक्रम आयोजित होगें। उन्होने बताया है कि सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। प्रातः 7.30 बजे 05 किमी बालक एवं 03 किमी बालिका की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 9 बजे से समस्त कार्यालयों, विद्यालयों एवं समाजसेवी संस्थाओं के किसी बड़े हाल में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के बड़े चित्र का अनावरण व माल्यार्पण एवं राम धुन का गायन होगा। तत्पश्चात इन महापुरूषों के जीवन संघर्ष, त्याग, बलिदार एवं नैतिक मूल्यों पर विचार विमर्श। सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालयों में श्रमदान के द्वारा साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करेगें। स्वच्छ भारत मिशन/स्वच्छता की शपथ दिलायी जायेगी। पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितकों को बुलाकर उनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्यो का रेखांकन किया जायेगा, चिलबिला पार्क में वृक्षारोपण किया जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे से पूर्वान्ह 10.30 बजे तक जोगापुर एवं जिला महिला चिकित्सालय के बगल स्थित कांशीराम कालोनी में सफाई एवं स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक बौद्ध बिहार चिलबिला में राष्ट्रीय एकीकरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी माध्यमिक विद्यालयों में सांस्कृतिक एवं दोनो महापुरूषों के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में सांस्कृतिक एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम, मण्डी समिति महुली में वृक्षारोपण कार्यक्रम, पूर्वान्ह 10 बजे से हादीहाल में कार्यक्रम, प्रत्येक गांवसभा में स्वस्थ बालक को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम एवं महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे घरौनी व वरासत की खतौनी का वितरण, पूर्वान्ह 11 बजे से जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में सरसों की मिनी किट का वितरण तथा अपरान्ह 3 बजे जनसेवा निकेतन विवेकनगर खादी संस्था के प्रांगण में सफाई कार्यक्रम एवं रामधुन का आयोजन होगा।

बीएसबीडी खाताधारक भी अब मुफ्त में डिजिटल बैंकिंग सुविधा का लाभ उठा सकेंगे, आरबीआई गवर्नर क्या बोले जानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नो-फ्रिल्स खाताधारक अब डिजिटल बैंकिंग सुविधा का मुफ्त उपयोग कर सकेंगे। रिजर्व बैंक ने बुधवार को बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए दी जाने वाली सेवाओं के विस्तार का एलान किया। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। नो-फ्रिल्स खाताधारक अब डिजिटल बैंकिंग सुविधा का मुफ्त उपयोग कर सकेंगे। रिजर्व बैंक ने बुधवार को बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए दी जाने वाली सेवाओं के विस्तार का एलान किया। नो-फ्रिल्स या बीएसबीडी ऐसे खाते होते हैं जो खाताधारकों को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजाइल किए गए हैं। बीएसबीडी खाते बैंक ग्राहकों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बैंकों की ओर से निःशुल्क प्रदान की जाने वाली कुछ सेवाओं में बैंक शाखाओं के साथ-साथ एटीएम/सीडीएम में नकदी जमा करना, तथा एटीएम निकासी सहित एक महीने में न्यूनतम चार निकासी शामिल हैं।

रामलीला मंचन भारतीय संस्कृति और परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति है : शुक्ला

ग्वालियर। रामलीला केवल नाटक नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति है, जो समाज को धर्म व नीति व आदर्शों का पाठ पढ़ाती है। इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ते हैं। लेकिन वर्तमान परिवेश में रामलीलाओं में जिस तरह नृत्य व संगीत के माध्यम से फूहड़ता परोसी जा रही है, उससे समाज का नैतिक व सांस्कृतिक पतन हो रहा है। अपने दौर में श्रीराम के अभिनय को जीवंत बनाने वाले नरेश शुक्ला ग्वालियर प्रवास पर आए थे, इस बीच आपने 'स्वदेश' के साथ अपनी अभिनय यात्रा और 'वर्तमान परिवेश में रामलीला की प्रासंगिकता' पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अपनी माटी व संस्कृति से जुड़ाव रखने वाले उत्तर प्रदेश के कानपुर के 'मैथा' गांव के नरेश शुक्ला आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। श्री शुक्ला अभिनय की दुनिया के एक ऐसे संपूर्ण व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने प्रभु 'राम' के अभिनय के रूप में खासी पहचान बनाई। सत्तर के दशक में श्री शुक्ला ने हिन्दी भाषी क्षेत्र में खासकर उत्तर प्रदेश से अपने अभिनय की यात्रा आरंभ की, बाद में आपने मध्य प्रदेश और बिहार में भी 'श्रीराम' के अभिनय का लोहा मनवाया। उत्तर प्रदेश में कानपुर, जालौन, उरई, बांदा, हमीरपुर, झांसी और मध्य प्रदेश भिंड, दतिया, मुरैना, अम्बा, पोरसा, ग्वालियर जैसे क्षेत्रों में नरेश शुक्ला का नाम बड़ी शिद्दत के साथ लिया जाता है। 1976 से 2008 तक श्री शुक्ला ने अभिनय को ऊचाइयां दीं।

भक्तिभाव प्रधान रामलीला में अब कलात्मकता

श्री शुक्ला कहते हैं, पहले भक्तिभाव प्रधान रामलीला होती थी अब कलात्मकता केंद्र में आ गई है। जिसका कुप्रभाव ये हुआ कि फूहड़ता ने अपनी जगह बना ली है। श्रीराम का अभिनय करने से पहले उनके व्यक्तित्व और आदर्श को समझना जरूरी है। उनकी आत्मकथा पढ़नी चाहिए। नकल में असल भरने के लिए इतिहास पढ़ना जरूरी है, बिना अध्ययन के यह सब संभव नहीं। तुलसीदास जी ने राम के स्वभाव और वाणी के बारे में कहा है-अति विनीत मृदु शीतल वाणी। दुर्भाग्यवश नए दौर के कलाकार अध्ययन नहीं करते। जहां तक स्वर का सवाल है तो गले में स्वर होना प्रकृति प्रदत्त है। स्वर साधना के लिए लंबी साधना करनी होती है। श्री शुक्ला का मानना है कि वास्तव में मंच पर श्रीराम की भूमिका को निभाना स्वयं में बड़ी भक्ति है। आप जितने डूबकर अभिनय करेंगे उतने ही निखरकर लोगों के सामने आएंगे। अभिनय डूबकर इसमें रमने की कला है।

वर्तमान परिवेश में 'रामलीला' की प्रासंगिकता

भारत भूमि प्राचीन काल से ही ऋषियों की तपस्थली रही है। महापुरुषों ने यहां त्याग और तपस्या के आदर्श गढ़े हैं। प्रभु राम के आदर्शों के चलते ही रामलीला की प्रासंगिकता आज भी यथातथ है। श्री शुक्ला का कहना है, यद्यपि संचार के विभिन्न माध्यमों के जरिए रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामानंद सागर के धारावाहिक 'रामायण' ने छोटे पर्दे पर देश-विदेश में उल्लेखनीय छाप छोड़ी। लेकिन फिर भी लोककला और स्थानीय स्तरों पर रामलीला के मंचन की मांग बरकरार है।

समाज को मार्गदर्शन देने का उपयुक्त मंच है रामलीला

श्री शुक्ला कहते हैं, जब वे अभिनय करते थे तो पूरे समय नियम-संयम का ध्यान रखते थे। पीतांबर वस्त्र धारण करना, तमाम तरह के व्यसनों से दूर रहना, ये सब चरित्र निर्माण के कारक हैं। लेकिन अब रामलीला में किन्नरों ने नृत्य आदि की प्रस्तुति देकर इसके स्वरूप और भावभंगिमा को पतित किया है। कलाकारों को चाहिए कि सुर के साथ-साथ वे संगीत की साधना भी करें, ताकि अभिनय को फिर से ऊंचाई मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

हिन्दी भाषा के क्षेत्र में हैं कई रोजगार

ग्वालियर। क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में आयोजित हिन्दी कार्यशाला की मुख्य अतिथि और वक्ता एमएलबी महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. पद्मा शर्मा रहीं। अध्यक्षता संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. बीएस सिसोदिया ने की। डॉ. पद्मा शर्मा ने हिन्दी यूनिकोड में शब्दों के शुद्ध प्रयोग के तरीके बताए साथ ही त्रिभाषा सूत्र, मानक हिन्दी शब्दावली और प्रयोजनमूलक हिंदी पर प्रकाश डाला। हिन्दी में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में भी उन्होंने विस्तार से बताया। स्वागत उद्बोधन डॉ. बीएस सिसोदिया, भूमिका डॉ. एमएम शर्मा ने प्रस्तुत की।

हबीपुरा बस्ती में लगा स्वास्थ्य शिविर

ग्वालियर। वार्ड क्रमांक 59 स्थित हबीपुरा बस्ती में प्रशासनिक अमले की पहल से अब आवागमन सुगम हो गया है। मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अतुल सिंह और तहसीलदार कुलदीप दुबे ने मौके पर पहुंचकर बस्तीवासियों से चर्चा की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं मौके पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर बस्तीवासियों का परीक्षण किया गया और दवाएं वितरित की गईं। वहीं विद्युत आपूर्ति बहाल होने के साथ नगर निगम द्वारा सफाई एवं फॉगिंग कराई गई।

उन्नति खाद-बीज भण्डार का लाइसेंस निरस्त

ग्वालियर। घाटीगांव विकासखंड के दौरार रोड स्थित उन्नति खाद-बीज भण्डार का कीटनाशक विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। अनुज्ञापन अधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने कीटनाशी अधिनियम व नियमों के तहत यह कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार अगस्त माह में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने भण्डार का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाई गईं, जिसके आधार पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब संतोषजनक न होने पर अंतत: लाइसेंस निरस्त करने का आदेश जारी किया गया।

अपोलो में आयुष्मान चिकित्सा शिविर कल

ग्वालियर। आयुष्मान भारत निरामया योजना के तहत स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में 2 अक्टूबर को सुबह 10 से 2 बजे तक महिलाओं के लिए निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित होगा। शिविर में मेडिसिन, स्त्री रोग, सर्जरी और मूत्र रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर निशुल्क परामर्श देंगे। वहीं जिन मरीजों को भर्ती रहकर इलाज या सर्जरी की आवश्यकता होगी, उनका उपचार आयुष्मान कार्ड से पूरी तरह नि:शुल्क किया जाएगा।

अमर ज्योति शीर्ष 10 में

ग्वालियर। अमर ज्योति स्कूल ग्वालियर के दिव्यांग खिलाड़ियों ने पैरा योगासन नेशनल चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अंडर 17 वर्ग शीर्ष 10 स्थान में जगह बनाई है। यह प्रतियोगिता नई दिल्ली के मोरारजी देसाई नेशनल प्रशिक्षण संस्थान में हुई।

तू प्यार का सागर है, तेरी एक बूंद के प्यासे हम

कै. सिंधिया की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

■ ग्वालियर

तू प्यार का सागर है, तेरी एक बूंद के प्यासे हम। इन शब्दों के साथ मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया की 24वीं पुण्यतिथि पर भजन गायकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य आयोजन अम्मा महाराज की छत्री में स्व. सिंधिया के समाधि स्थल एवं गोपाल मंदिर में भजन संध्या के साथ किया गया। जिसमें भजन गायक बल्लरी मोघे एवं मनीष सक्सेना द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर चारों धर्म के गुरुओं को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व सांसद अशोक अर्गल, बाल खाण्डे, रामबरन सिंह गुर्जर, बैजयंती वर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, आशीष प्रताप सिंह राठौर, पुरूषोत्तम भार्गव, सतेन्द्र शर्मा, विजय गर्ग, गुड्डू वारसी, रामनारायण मिश्रा, उमाशंकर सोनी, रूचिका श्रीवास्तव, ऊषा चौहान, प्रियंका गर्ग, अमर कुटे संजय कट्ठल सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

यादवों की कांग्रेस कहने पर भिड़े कांग्रेसी

पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने प्रभात फेरी निकालकर नदी गेट पहुंचकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसी दौरान युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हेवरन सिंह कंसाना एवं थाटीपुर ब्लाक अध्यक्ष संदीप यादव में फोटो खिंचवाने को लेकर धक्का मुक्की हो गई। जिसपर कंसाना ने गुस्से में यह तक कह दिया कि यह तो यादवों की कांग्रेस हो गई है। जिसपर वहां मौजूद यादव नेता बिफर गए। श्रद्धांजलि देने वालों में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, महाराज सिंह पटेल, जेएच जाफरी, ऊदल सिंह, सरमन सिंह राय, दर्शन मिश्रा, अवधेश कौरव, चतुर्भुज धनोलिया, भैयालाल भटनागर, हेवरन सिंह कंसाना, मंगल यादव, शंकर गाबरा, कुलदीप सिंह कौरव, महेन्द्र शर्मा, राजीव शर्मा आदि शामिल हैं।

कन्या विद्यालय में भोजन वितरित

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सिंह परमार चच्चू के नेतृत्व में गोले का मन्दिर थाने के पीछे दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में पार्षद प्रीती संजू परमार ने भोजन वितरित किया। जिसमें पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, रामबरन सिंह गुर्जर, अर्जुन जाटव, राजू चौहान, धीरज तोमर, राजेन्द्र यादव, सावंत सिंह, ऋषि शर्मा, प्रताप सिंह चौहान भूरा, अतुल राजावत सन्नू अरुण गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

वार्ड 66 में फल वितरित

वार्ड 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज गुर्जर के नेतृत्व में स्व. सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद वार्ड में फल वितरित किए गए। वहीं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौर ने विज्ञान महाविद्यालय के पास जरूरतमंदों को फल वितरित किए। कार्यक्रम में प्रदीप अग्रवाल, सोनू अष्ठाना, चांद खान, अतुल कविश्वर, राजेश शर्मा आदि मौजूद रहे। उधर भाजपा के जिला मंत्री सतेन्द्र शर्मा ने कुष्ठ आश्रम में फल वितरित किए।

सिविल अस्पताल में फल वितरित

भाजपा दुर्गादास राठौड़ मंडल द्वारा सिविल अस्पताल हजीरा में फल वितरण कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शामिल होकर फल वितरित किए। इसके बाद ऊर्जा मंत्री ने भदकारिया फाउंडेशन द्वारा कै. श्रीमंत माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर उनकी स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की।

24 भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

जिला चिकित्सालय मुरार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया एवं 24 कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में बबलू तोमर, विनोद गर्ग, अर्जुन जाटव, सुरेश मोंगिया, शेर सिंह नरवरिया, शिवा श्रीवास्तव, शैलेष श्रीवास्तव, कुलदीप श्रीवास, सतेन्द्र बघेल, अभय प्रताप सिंह तोमर, पंकज राठौर, सुजान सिंह परिहार, प्रशांत अग्रवाल, अरविन्द गुर्जर आदि ने रक्तदान किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, मुकेश दुबे, जबर सिंह, रमाकांत महते, प्रवीण भारद्वाज, शिव सिंह यादव, अमर कुटे, समेत सतेन्द्र शर्मा मौजूद रहे। वहीं डीडी नगर में आधा सैंकड़ा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री ओपीएस भदौरिया, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, महेंद्र सिंह यादव, पीताम्बर प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

कन्याओं का पूजन कर सेवा भारती ने दिया मातृशक्ति सम्मान का संदेश

शक्ति पूजन का प्रतीक है कन्या पूजनः कुशवाहा

■ ग्वालियर

नवरात्रि के पावन पर्व एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया की पुण्य तिथि पर सेवा भारती महानगर ग्वालियर द्वारा मंगलवार को कन्या पूजन समारोह मंगलवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर छत्री बाजार में आयोजित किया गया। जिसमें 900 से अधिक कन्याओं का पूजन कर उन्हें चुनरी, फल, बर्तन सहित राशि भेंट की। वक्ताओं ने कहा कि कन्या पूजन को भारतीय संस्कृति में सत्य की आराधना और मां जगदंबा की प्रत्यक्ष पूजा माना गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में मातृशक्ति को न सिर्फ सम्मान मिलेगा बल्कि पुरुष वर्ग मातृशक्ति के प्रति अपनी कृतज्ञता भी ज्ञापित कर सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ऐसे आयोजन हमें हमारे कर्तव्यों का बोध कराते हैं। सेवा भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि कन्या पूजन के कार्यक्रमों से नारी शक्ति के प्रति सम्मान का भाव बढ़ता है। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे और माधवराव सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा भारती ग्वालियर विभाग अध्यक्ष विजय गुप्ता ने की। पार्षद मोहित जाट ने भी स्व. माधवराव सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन सेवा भारती ग्वालियर विभाग सचिव डॉ.सुरेंद्र प्रधान ने किया। इस अवसर पर सेवा भारती के विभाग समन्वयक कैलाश कुशवाह, सत्यपाल जादौन, रवि बत्रा, विनोद विदुआ, अरविंद दूदावत आदि उपस्थित रहे।

बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

ग्वालियर में सेवा भारती द्वारा संचालित संस्कार केंद्रों की बच्चियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने राधा-कृष्ण के भजनों पर नृत्य नाटिका तथा लांगुरिया आदि प्रस्तुत किए। कन्या पूजन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

जनसुनवाईः गुहार लगाने आए व्यक्ति ने सुनाई खरी-खोटी

■ ग्वालियर

कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक व्यक्ति ने हंगामा कर दिया। मोहना निवासी जितेंद्र गोस्वामी नामक युवक अपनी तीन साल की बेटी के साथ नंगे पैर पहुंचा और अधिकारियों से तत्काल आर्थिक मदद की गुहार लगाई। लेकिन जब उसे मदद न मिल सकी तो वह अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाने लगा।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र गोस्वामी मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता है। वर्तमान में उसकी पत्नी गंभीर बीमारी के चलते जिला अस्पताल मुरार में भर्ती है। पत्नी की देखभाल और तीन साल की बच्ची की जिम्मेदारी के बीच वह मजदूरी नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण परिवार आर्थिक संकट में है। जितेन्द्र ने बताया कि वह आसपास के लोगों से रुपए मांगकर किसी तरह परिवार का पेट भर रहा है। यहां तक कि पत्नी को बीमारी में फल तक नहीं दिला पा रहा। जितेंद्र ने कहा कि तत्कालीन जिलाधीश कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 13 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री स्वेच्छा निधि से आर्थिक सहायता का प्रस्ताव शासन को भेजा था, लेकिन उनके तबादले के बाद उस प्रस्ताव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। यही कारण है कि आज उसे दर-दर भटकना पड़ रहा है। उसने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मदद की अपील की। एडीएम सीबी प्रसाद का कहना था कि जितेंद्र ने गुस्से में जिस तरह अनुचित व्यवहार किया है, वह उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी जिलाधीश द्वारा उसे आर्थिक सहायता दी गई थी। साथ ही उसकी आवास संबंधी जरूरत को देखते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, जो स्वीकृत भी हो चुका है और राशि आना शेष है। जनसुनवाई में प्राप्त 105 आवेदनों में से 52 आवेदन दर्ज किए गए, जबकि शेष 53 आवेदन सीधे संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को निराकरण के लिए भेजे गए।

शासकीय भूमि पर बने अवैध गैरेज को हटाने की मांग

नगर निगम की जनसुनवाई में मंगलवार को अतिक्रमण, सीवर और जलभराव जैसी समस्याओं की शिकायत पहुंचीं। इन समस्याओं के निराकरण का आश्वासन अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को दिया। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 48 मामा का बाजार कदम साहब का बाड़ा निवासी हरचरनलाल शर्मा ने शिकायत की कि प्रदीप पवार ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर कार गैरिज बना लिया है जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में असुविधा होती है। वार्ड 37 एबी रोड सनशाइन टॉवर के सामने लश्कर निवासी सुरेन्द्र कुमार दुबे ने आवेदन देते हुए बताया कि सीवर की लाइन टूट जाने के कारण उसका गंदा पानी घर में आ रहा है। वार्ड 6 जगनापुरा लधेड़ी निवासी गुलशन कुशवाह ने आवेदन देते हुए बताया कि जगनापुरा में महाराज सिंह कुशवाह व अन्य द्वारा अवैध कॉलोनी काटी जा रही है।

महानवमी पर आज स्थानीय अवकाश

ग्वालियर। जिलाधीश रुचिका चौहान ने जिले में बुधवार 1 अक्टूबर को महानवमी के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया है। यह आदेश राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों के तहत जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में 27 अगस्त को श्रीगणेश चतुर्थी के दिन स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। बाद में राज्य शासन द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में गणेश चतुर्थी को सामान्य अवकाश घोषित कर दिया गया था। इसी कारण अब ग्वालियर जिले में गणेश चतुर्थी की जगह महानवमी पर स्थानीय अवकाश प्रभावी रहेगा।

पैथोलॉजी शिफ्ट होने के बाद भी नहीं कर सके चालू

डेढ़ साल बाद भी ताले में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर

■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल का अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर पिछले डेढ़ साल से ताले में बंद है। अस्पताल प्रबंधन ने शुरुआत में पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड न होने का बहाना बनाकर ऑपरेशन थिएटर चालू नहीं किए। वार्ड से अस्थायी पैथोलॉजी को शिफ्ट हुए एक माह का समय बीत चुका है, तब भी जिम्मेदार अधिकारियों ने आवश्यक कल्चर रिपोर्ट तैयार नहीं कराई। नतीजतन ऑपरेशन थिएटर शुरू नहीं हो पा रहे हैं और मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल की तीसरी मंजिल पर तैयार किए गए दो मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में बड़े ऑपरेशन, ईएनटी, जॉइंट और अन्य जटिल सर्जरी आसानी से की जा सकती हैं। इन ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण की संभावना न्यूनतम होगी, जिससे ऑपरेशन ग्राफ में वृद्धि के साथ मरीजों को सुरक्षित इलाज मिल सकेगा।

वर्तमान में पुराने ऑपरेशन थिएटर पर ही निर्भर रहकर ऑपरेशन करने पड़ रहे हैं, जहां संक्रमण की संभावना 3-4 प्रतिशत रहती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए नए ऑपरेशन थिएटर बनवाए गए हैं। लेकिन पिछले एक माह में अस्पताल प्रबंधन केवल एक कल्चर रिपोर्ट करवा पाया है, जबकि ऑपरेशन थिएटर शुरू करने के लिए कम से कम तीन रिपोर्ट जरूरी हैं। यही कारण है कि चालू होने में कम से कम 15 दिन और लग सकते हैं।

मॉड्यूलर आपरेशन थियेटर की वशेषताएं

- संक्रमण की संभावना लगभग शून्य।
- इलेक्ट्रॉनिक पैनल से तापमान और आर्द्रता की निगरानी।
- जरूरत पड़ने पर पैनल से तापमान और नमी को नियंत्रित किया जा सकेगा।
- सर्जरी के दौरान विशेष कैमरा से वीडियो रिकॉर्डिंग होगी।

इनका कहना है

आपरेशन थियेटर शुरू किए जाने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। 15 से 20 दिनों में आपरेशन थियेटर शुरू कर दिए जाएंगे।

डॉ. राजेश शर्मा, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

मुरार जिला अस्पताल में जनरेटर फेल, नहीं उठा पा रहा जांच मशीनों का लोड

■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं लगातार बिगड़ती जा रही है। मंगलवार को भी अस्पताल में जनरेटर के पूरी तरह से काम नहीं कर पाने के कारण एक्सरे और सीटी स्कैन जैसी महत्वपूर्ण जांचें नहीं हो पाईं और मरीजों को परेशान होना पड़ा।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा जनरेटर लगवाया गया है। लेकिन जनरेटर लगभग एक माह से खराब पड़ा है। जनरेटर का एक पार्ट जल जाने के कारण काम नहीं कर रहा। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन ने पुराने जनरेटर से अस्पताल का कनेक्शन कर दिया, लेकिन वह छोटे होने के कारण पूरे अस्पताल का लोड नहीं उठा पा रहा है। मंगलवार की दोपहर जब लाइट चली गई तो एक्सरे मशीन और सीटी स्कैन मशीन पूरी तरह ठप हो गईं। जबकि एक्सरे के बाहर पांच मरीज जांच के इंतजार में बैठे हुए थे। हालांकि करीब 40 मिनट बाद जब लाइट आई तो जांच संभव हो सकी। मरीजों और उनके परिजनों का कहना था कि अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सुविधा में इस तरह की तकनीकी विफलता सिर्फ मरीजों की जान और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि जनरेटर की मरम्मत पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा कराई जानी है, लेकिन बोर्ड द्वारा लगातार लेटलतीफी बरती जा रही है। इस संबंध में जिलाधीश को भी सूचित किया गया है।

सम्पादकीय

बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दशार्ता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस जीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ ताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर-सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफ लगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या

संघ के स्वयंसेवकों की होगी। यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है। एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से ह्यराष्ट्रीय मुस्लिम मंचह्ल नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ह्यगुरूह्ल जी रचित किताब ह्यब्रंच ऑफ थॉटह्ल का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें ह्यब्रंच ऑफ थॉटह्ल को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, ह्यरही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।ह्य इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है। संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, ह्यहम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।ह्य संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित ह्यइनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहाः कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे। सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकर्ताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है। संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है। संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा ह्यसामाजिक समरसताह्ल है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, ह्यगांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट... ह्ल वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी ह्यटेररिस्टह्ल लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा। शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन का भविष्य

बीते दो साल से फिलीस्तीन में चल रहे नरसंहार के खत्म होने के दिन करीब आते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। एक योजना बनाई गई है, जिसके तहत हमास को 72 घंटे के अंदर 20 जीवित इजरायली बंधकों को रिहा करना है और उन करीब 20 बंधकों के शवों को वापस करना है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी मौत हो चुकी है। योजना के मुताबिक हमास अपने हथियार त्याग देगा, इसके साथ ही उसकी सुरंगें और हथियार बनाने के ठिकाने नष्ट कर दिए जाएंगे। हर इजरायली बंधक के शव की रिहाई पर इजरायल 15 गजावासियों के शव लौटाएगा। योजना में यह भी कहा गया है कि जैसे ही दोनों पक्ष इस प्रस्ताव पर सहमत होंगे, गजा पट्टी में तुरंत पूरी सहायता भेजी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो अमेरिका नेतन्याहू के साथ खड़ा होगा। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास इस योजना ठुकराता है या इसका पालन नहीं करता है तो इजरायल अपने काम को अंजाम तक लेकर जाएगा। नेतन्याहू की इस धमकी का अर्थ यह है कि हमास को खत्म करने के नाम पर गजा पर कब्जे की जो योजना नेतन्याहू की बनी हुई है, वो हर हाल में पूरी होगी। दो सालों से तबाह गजा में अब और ज्यादा धमाके नहीं होंगे, जो बची-खुची जिंदगियां शेष हैं, वो शायद आगे भी बरकरार रहेंगी, इस बात को राहत की तरह देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की इस घोषणा का स्वागत किया है, ब्रिटेन, फ्रांस व यूरोपीय यूनियन के देश इस शांति प्रस्ताव से सहमत हैं। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्किए, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि मुस्लिम देश भी गजा के लिए बनी योजना पर सहमत हैं और फिलीस्तीन के अधिकारी भी इसे सकारात्मकता के साथ देख रहे हैं। फिलीस्तीन के पास अब और कोई रास्ता तो बचा ही नहीं है। बीते दो सालों में एक बसे-बसाए देश को पूरी तरह तबाह कर अब पश्चिमी ताकतों ने उसे फिर से बसाने की योजना बना दी है। पूंजीवाद की यही कार्यशैली है। पहले किसी चीज में खोट निकालो, उसे खत्म करो और फिर अपनी मर्जी का ऐसा ढांचा वहां खड़ा करो, जिससे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके। लालच का यह तंत्र इतना निष्ठुर है कि उसे बंजर जमीन, हरे-भरे जंगल, मूक जानवर, हाड़-मांस के इंसान किसी में कोई फर्क नहीं दिखता। उसका बुलडोजर सब पर एक तरह से चलता है। गजा अब पूंजीवाद के बुलडोजर से पूरी तरह समतल होने जा रहा है। इसलिए अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिलें कि बंधकों की रिहाई, शवों की वापसी हो जाएगी, आगे और हमले भी नहीं होंगे। लेकिन हमास को खत्म करने के नाम पर जिन मासूमों की जान ली गई है, उन्हें क्या कभी इंसाफ नहीं मिलेगा। अभी पिछले हफ्ते तक संरा महासभा में फिलीस्तीन के समर्थन में आवाजें उठ रही थीं, उसे मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ रही थी, और बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में जिस तरह कई देशों के राजदूत उठकर चले गए, उसमें यह खुशफहमी बनी कि वैश्विक व्यवस्था में अघोषित बदलाव हो रहा है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्ता पुनरू स्थापित हो रही है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ की जगह लेते जा रहे हैं या ले चुके हैं। ट्रंप खुद दावा करते रहते हैं कि कितने देशों के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाए हैं, यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का दावेदार बताया जाने लगा है। अब गजा में तथाकथित शांति बहाली के बाद यह दावेदारी और बढ़ जाएगी। फिर यह सवाल नहीं होंगे कि शांति प्रस्ताव के बाद अब जो फिलीस्तीन खड़ा किया जाएगा, उसकी डोर असल में किसके हाथ में रहेगी। यह तो घोषित तथ्य है कि इजरायल को शुरू से अमेरिका का पूरा समर्थन रहा है। बीते कुछ दिनों में ट्रंप ने चाहे नेतन्याहू को हमले रोकने या और ज्यादा हिंसा बर्दाश्त न करने की बात कही है, लेकिन यह केवल दिखावटी बातें थीं। इजरायल अमेरिका की छत्रछाया में ही फला-फूला है और अब फिलीस्तीन को भी अमेरिका की कठपुतली सरकार मिलेगी, यह तय है।गौरतलब है कि अमेरिका ने गजा की भावी शासन व्यवस्था की जो रूपरेखा रखी है, उसमें एक गैर-राजनीतिक फिलीस्तीनी कमेटी गजा पर अस्थायी रूप से शासन करेगी, इसकी देखरेख एक नयी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिशन बॉडी श्बोर्ड ऑफ पीसश करेगी।

शब्दों की शक्ति: कलम और वाणी का चमत्कार

संजीव ठाकुर

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन-कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार है।य अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी-कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि ह्लबोलने और लिखने से पूर्व बार-बार सोचो।ह्ल क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है। राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह हैदृद प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और दोहों से जन-मन में रमे हुए हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन-जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास-साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी। इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत-मनीषियों ने कहा ह्लसंभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।ह्ल अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति-दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है। यही भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा का संदेश है कि शब्दों को सोच-समझकर, तौलकर और प्रेमपूर्वक प्रयोग किया जाए।

मनोरंजन

महिला विश्व कप का पहला मैच देखने आए रिकॉर्ड दर्शक, इस रिपोर्ट में खुलासा

गुवाहाटी (एजेंसी)। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में 22843 दर्शक आए जो आईसीसी महिला टूनार्मेंट के ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है।' भारत और श्रीलंका के बीच महिला वनडे विश्व कप का पहला मैच देखने करीब 23000 दर्शक स्टेडियम आए जो आईसीसी के किसी महिला टूनार्मेंट में ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है। मंगलवार को इस मैच को देखने 22843 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। इससे पहले रिकॉर्ड भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में पिछले साल महिला टी20 विश्व कप के मैच का था जिसमें 15935 दर्शक आए थे। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में 22843 दर्शक आए जो आईसीसी महिला टूनार्मेंट के ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है।' भारत ने 59 रन से जीतकर टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की।

मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा ने नाश्ते में खाया 'थेपला', आमिर-रानी के गाने के साथ किया एंजॉय

प्रियंका चोपड़ा जोनस इन दिनों मुंबई में हैं। वह लगातार सोशल मीडिया हैंडल पर अपने रोजाना के अपडेट्स शेयर करती रहती हैं। जिन्हें उनके फैंस बड़े चाव से देखते और पसंद करते रहे हैं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म 'एसएस29' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। वहीं आज प्रियंका ने अपने नाश्ते की एक झलक सोशल मीडिया हैंडल

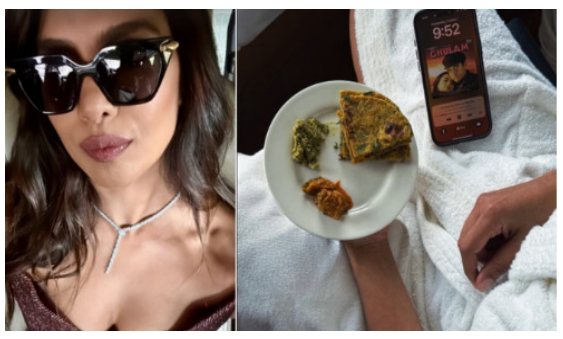

पर शेयर की है। प्रियंका का पोस्ट प्रियंका चोपड़ा ने आज इंस्टाग्राम पर अपने नाश्ते की तस्वीर साझा की, जिसमें वह थेपला, नारियल की चटनी और आम के अचार का स्वाद ले रही थीं। सफेद बाथरोब में नाश्ते का आनंद लेते हुए, वह 90 के दशक की फिल्म 'गुलाम' का गाना 'आंखों से तूने ये क्या कर दिया' सुन रही थीं, जिसमें आमिर खान और रानी मुखर्जी ने अभिनय किया है। प्रियंका की शानदार तस्वीर इस पोस्ट के बाद प्रियंका ने अपनी एक हॉट तस्वीर भी शेयर कीं, जिसमें ऑफ शोल्डर ड्रेस के साथ ब्लैक गॉगल्स में पोज देती नजर आईं। इस ड्रेस के साथ प्रियंका ने नॉट स्टाइल का सिल्वर नेकपीस भी पहना हुआ है। प्रियंका का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। मुंबई में प्रियंका प्रियंका 29 सितंबर को काम के लिए मुंबई आईं और एक शानदार होटल में रुकी हैं। उन्होंने होटल से बांद्रा वर्ली सी लिंक का सुंदर नजारा शेयर किया और लिखा, 'कभी बूढ़ा नहीं होता।' एक तस्वीर में वह रंग-बिरंगे मोजे पहने समुद्र का नजारा लेती दिखीं। उन्होंने पोहा खाते हुए भी तस्वीर साझा की। अपने बीजी कार्यक्रम के बीच, प्रियंका मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने उत्तरी मुंबई के एक दुर्गा पूजा पंडाल गईं। जहां उनकी मुलाकात निर्देशक आर्यन मुखर्जी और अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी से भी हुई। प्रियंका का करियर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा 'द ब्लफ' में नजर आएंगी।

दिलजीत दोसांझ ने राजवीर जवंदा को लेकर कह दी ये बड़ी बात, हांगकांग कॉन्सर्ट में लोगों से की खास अपील

हांगकांग में अपने कॉन्सर्ट के दौरान पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने म्यूजिक रोककर साथी गायक-अभिनेता राजवीर जवंदा के लिए दुआ की, जो गंभीर बाइक हादसे के बाद जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। दिलजीत ने हजारों दर्शकों से अपील की कि वे राजवीर के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करें। उन्होंने राजवीर को बहुत प्यारा भाई और बेहद खूबसूरत गायक भी बताया।दिलजीत ने भावुक होकर कहा, कृपया उनके लिए प्रार्थना करें। सच्ची दुआ का बहुत असर होता है। वह जल्दी ठीक हों और हमारे बीच लौटें। वह बहुत खूबसूरत गायक हैं, राजवीर वीरा। उन्होंने राजवीर के सरल और विवादों से दूर रहने वाले स्वभाव की भी प्रशंसा की। दिलजीत ने कहा, जब आप किसी के लिए दिल से प्रार्थना करते हैं, तो वह जरूर पूरी होती है। कॉन्सर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शनिवार को हुए बाइक हादसे में राजवीर को गंभीर सिर और रीढ़ की चोटें आईं। उन्हें पहले सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उन्हें हार्ट अटैक भी आया। इसके बाद उन्हें फोर्टिस अस्पताल, मोहाली शिफ्ट किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी अस्पताल पहुंचे और पुष्टि की कि राजवीर अभी भी बेहोश हैं, लेकिन उनकी स्थिति कल से बेहतर है। राजवीर जवंदा अपने हिट गानों जैसे काली जवांदे दी, मेरा दिल और सरदारी के लिए जाने जाते हैं और पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय कर चुके हैं। बाइकिंग के शौकीन राजवीर अक्सर अक्सर अपने हिल्स राइड के वीडियो शेयर करते थे।

जब सो रहे थे अभिषेक, तो फरहाना ने की ऐसी करतूत; घर में मचा बवाल

कैप्टन ने कहा- जो करना है कर लो

हाल ही में बिग बॉस 19 का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें फरहाना भट्ट ने अभिषेक बजाज के साथ ऐसी हरकत की, जिससे घर में बवाल मच गया। जानिए क्या हुआ। बिग बॉस 19 में आए दिन तमाशा हो रहा है। कभी कोई किसी से हाथापाई कर रहा है, तो किसी को भला-बुरा कह

रहा है। अब शो का नया प्रोमो सभी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है, क्योंकि इसमें फरहाना और अभिषेक के बीच जोरदार बहस होती दिख रही है। आइए जानते हैं आखिर क्या हुआ। फरहाना ने सोते हुए अभिषेक पर फेंका पानी बिग बॉस 19 शो का नया प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें दिखता है कि अभिषेक बजाज सोते हुए दिख रहे हैं, तभी फरहाना भट्ट आती हैं और बोतल से पानी लेकर उनपर फेंक देती हैं। इसके बाद अभिषेक ने गुस्से में कहा, पानी डालने की जरूरत नहीं है। इसपर फरहाना ने कहा, मेरी मर्जी मैं क्या करूंगी। अशनूर ने किया फरहाना का विरोध आगे प्रोमों में फरहाना की मेरी मर्जी वाले बयान का अशनूर कौर ने विरोध किया। उन्होंने कहा, मेरी मर्जी कुछ नहीं होता है फरहाना। इसके आगे फरहाना ने अशनूर से कहा, तो तुम वॉचमैन बनो उन्हें जगाने के लिए। फिर अशनूर ने फरहाना को पर्सनल चीजों को बीच में लाने के लिए मना किया, लेकिन फरहाना ने कहा कि पांच लोगों को जो करना है कर लें, वो किसी से नहीं डरतीं। क्या है इस बार 'बिग बॉस 19' का कॉन्सेप्ट? बिग बॉस 1 का कॉन्सेप्ट इस बार काफी हटकर है। यह पॉलिटिक्स से इंस्पायर है। जिसमें शो में भाग लेने वाले प्रतियोगी मिलकर अपनी सरकार बनाएंगे। शो में टीवी एक्टर गौरव खन्ना, टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर, फिल्म एक्टर जीशान कादरी, सिंगर अमान मलिक, फरहाना भट्ट, नीलम गिरी, तान्या मित्तल के अलावा कई प्रतियोगी शामिल हैं।

आर्यन खान की द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए राघव, रजत और फराह ने की मजेदार बातचीत

सीरीज द बैड्ड्स ऑफ बॉलीवुड ने दुनिया भर के दिलों पर राज कर वाकई में एक अनोखी सफलता हासिल कर ली है। आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी यह 7-एपिसोड की सीरीज एक मजबूत असर छोड़ चुकी है और फिलहाल में नेटफ्लिक्स पर भारत में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जो इस बात का सबूत है कि इसे कितना प्यार मिला है। हालांकि, ऐसा लगता है कि शो का क्रेज अभी कम नहीं होने वाला, क्योंकि इसका खुमार राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान पर भी देखने मिल रहा है। द बैड्ड्स ऑफ बॉलीवुड के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान के बीच मजेदार बातचीत को कैद किया गया है। वीडियो में, जहाँ राघव और फराह बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं रजत बीच में कूद पड़ते हैं, जिससे शो की याद दिलाने वाला एक मजेदार माहौल बन जाता है। ऐसे में वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में आगे लिखा है। उन्होंने कमेंट्स में भी अपना प्यार जाहिर किया।आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आसमान सिंह (लक्ष्य लालवानी) की कहानी बताती है। यह एक मेहनती आउटसाइडर है, जो बॉलीवुड की फेम, ग्लैमर और पावर गेम्स की दुनिया में खुद को बचाने की कोशिश करता है। ऐसे में यह शो तीखे सैटायर और जोरदार ड्रामा को मिलाते हुए, यह बेझिझक इंडस्ट्री की छिपी हुई हकीकतों को सामने लाता है।और इसे और भी रोमांचक बनाते हैं बॉलीवुड के दिग्गजों जैसे शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, करण जौहर और कई अन्य के अचानक आने वाले कैमियो, जो कहानी में स्टार पावर जोड़ते हैं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि गौरी खान इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रही हैं। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जूयाल, अन्या सिंह, मनोज पहवा, मनीष चौधरी, सहेर बम्बा, गौतमी कपूर, राजत बेदी और अन्य जैसे स्टार कलाकार शामिल हैं। यह सबसे ज्यादा इंतेजार कियाबजा रहा शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर 2025 को प्रीमियर हो चुका है।

नेटफ्लिक्स लेकर आया कुरुक्षेत्र का ट्रेलर, महाभारत की धरती पर धर्म और भाग्य की गूंज

नेटफ्लिक्स ने अपनी नई एनिमेटेड सीरीज कुरुक्षेत्र का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह भव्य सीरीज महाभारत की अनकही कहानियों को 18 योद्धाओं के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जहां हर किरदार धर्म, नैतिकता और भाग्य से जूझता दिखाई देगा। इस महागाथा का मूल संदेश भगवान कृष्ण के शब्दों में गूंजता

है- इस युद्ध में न कोई मित्र है, न कोई शत्रु। सीरीज का पहला सीजन 10 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसमें अर्जुन के द्वंद्व, द्रौपदी की प्रतिज्ञा, दुर्योधन की महत्वाकांक्षा और भीष्म पितामह की नीतियों जैसे प्रसंगों को भावनात्मक अंदाज में पेश किया जाएगा। यह सिर्फ एक युद्ध की कथा नहीं, बल्कि रिश्तों के बिखराव और नैतिक संकटों की कहानी है। इस सीरीज को अनु सिक्का ने कॉन्सेप्ट और क्रिएट किया है। इसका निर्माण टिपिंग प्वाइंट के तहत आलोक जैन, अनु सिक्का और अजीत अंधारे ने किया है। निर्देशन और लेखन की जिम्मेदारी उजान गांगुली ने निभाई है, जबकि हाइटेक एनीमेशन ने इसे जीवंत किया है। इस महाकाव्य की गहराई में गुलजार के लिखे गीत और संवाद नई जान डालते हैं। सीरीज के ट्रेलर में ही इसके शानदार एनीमेशन, दमदार म्यूजिक और गहन भावनाओं की झलक साफ मिलती है। कुरुक्षेत्र दर्शकों को महाभारत की दुनिया को एक नए, आधुनिक और प्रभावशाली अंदाज में अनुभव कराने का वादा करता है।

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर जल्द कर रही हैं सगाई, रोहन ठक्कर संग शादी की तैयारी

बॉलीवुड के कपूर खानदान में शादी की खुशी छाने वाली है। अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और निमार्ता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई करने जा रही हैं। इस खुशखबरी ने फैन्स और परिवार दोनों में उत्साह बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक अंशुला की इंगेजमेंट सेरेमनी 2 अक्टूबर को होगी, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी रहेगी। समारोह को सिंपल और पारिवारिक रखा गया है। इस खास मौके की शुरूआत एक पूजा से होगी, जिसमें अंशुला के पिता बोनी कपूर, भाई अर्जुन कपूर और बहनें जाह्नवी तथा खुशी कपूर भी शामिल होंगी। हालांकि इंगेजमेंट का ये समारोह सीमित मेहमानों के साथ मनाया जाएगा, लेकिन कपूर फैमिली की ग्रैंड वेडिंग की चचाएं पहले से ही शुरू हो गई हैं। अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है जितनी उनकी शादी की खबर। जुलाई में अंशुला ने बताया था कि रोहन ने उन्हें न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में प्रपोज किया था। ये प्रपोजल बेहद खास था क्योंकि रोहन ने इंडियन टाइम के मुताबिक रात 1रू15 बजे घुटनों के बल बैठकर प्रपोज किया था, जो उस वक्त के साथ मेल खाता था जब दोनों की पहली बातचीत किसी डेटिंग ऐप पर हुई थी। अंशुला ने इंस्टाग्राम पर इस पल को ष्एक परी कथा से भी बेहतरष बताया, जिसमें हंसी, आंसू और भावनाओं का समंदर था। उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी लव स्टोरी भी साझा की, जिसमें बताया कि कैसे दोनों की बातचीत एक दिन की शुरूआत में मंगलवार रात 1रू15 बजे हुई थी और तब से उनका रिश्ता गहरा होता गया। अंशुला ने बताया कि वे और रोहन एक डेटिंग ऐप पर मिले थे और उनकी बातचीत एक खास मंगलवार की रात 1.15 बजे शुरू हुई। बातचीत इतनी खास थी कि वे सुबह 6 बजे तक जुड़े रहे और उनके बीच का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता गया। हालांकि अंशुला और रोहन ने अभी तक शादी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ये कपल दिसंबर 2025 में शादी के बंधन में बंध सकता है। कपूर परिवार और फैंस इस ग्रैंड वेडिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की ये सगाई बॉलीवुड में नए रिश्तों और खुशियों की शुरूआत की तरह देखी जा रही है। आने वाले समय में इस जोड़े से जुड़ी और भी खबरें सामने आएंगी, जिन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

'गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं', सीरीज से पहले बोले गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है। यहां पिच पर घास जमी हुई है। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है। यहां पिच पर घास जमी हुई है। गिल ने कहा, 'मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो।' उन्होंने कहा, 'भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे।' उन्होंने कहा, 'आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जाएगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे।

तीन की मौत के बाद पीओके में बढ़ा लोगों का गुस्सा

पाकिस्तान के सभी एंट्री पॉइंट बंद करने की धमकी दी

जिनेवा (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों उबाल है और विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन प्रदर्शनकारियों की मौत से लोगों का गुस्सा और भड़क गया है। पीओके का विरोध प्रदर्शन इस कदर व्यापक हो गया है कि विदेशों में बसे पीओके के लोग भी प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष शौकत अली कश्मीरी ने स्विट्जरलैंड में न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि यह विरोध प्रदर्शन लोगों की बुनियादी जरूरतों को लेकर है। उन्होंने कहा कि पीओके के लोग बीते दो वर्षों से अपने बुनियादी अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शौकत अली कश्मीरी ने कहा कि 'जॉइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले लोग बीते दो वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। यह आंदोलन बुनियादी जरूरतों को लेकर है। बीते 77 वर्षों से पीओके के लोगों को बुनियादी अधिकारों और जरूरतों से दूर रखा गया। पहले राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने मंच से विरोध प्रदर्शन कर रहीं थीं। फिर सभी राजनीतिक पार्टियों और आम लोगों ने मिलकर एक जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का गठन किया। बीते दो वर्षों से ये कमेटी ही आंदोलन का नेतृत्व कर रही है।'

यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की सरकार को कठपुतली सरकार बताया और आरोप लगाया कि ये कठपुतली सरकार लोगों की वैध और सही मांगों को भी पूरा करने में नाकाम रही। लोग बिजली की किल्लत, बेरोजगारी और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन कठपुतली सरकार उनकी जायज मांगों को भी पूरा नहीं कर पा रही है। पीओके के नेताओं ने दी बंद की धमकी यूकेपीएनपी के नेताओं ने धमकी दी कि आने वाले समय में आंदोलन और तेज होगा क्योंकि लोग अब सोशल मीडिया के जरिए जुड़े हुए हैं। यूकेपीएनपी के नेता शौकत अली कश्मीरी ने धमकी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बंद रहेगा और पाकिस्तान जाने वाले सभी एंट्री पॉइंट बंद कर दिए जाएंगे। यूकेपीएनपी के विदेश मामलों के प्रमुख जमील मकसूद ने सेना पर मासूम लोगों पर गोलियां चलाने का आरोप लगाया और कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों को निशाना बनाया गया। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान मंगलवार को हालात बिगड़ गए और सुरक्षाकर्मियों ने लोगों की भीड़ पर गोलियां चला दीं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 22 से ज्यादा अन्य घायल हुए हैं।

'बिजली गुल और फिर संकरा स्थल पर भगदड़, कुछ तो....', करूर हाजसे पर हेमा मालिनी के तीखे सवाल

करूर/चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने करूर में विजय की रैली के दौरान भगदड़ पर संदेह जताते हुए कहा कि संकरा आयोजन स्थल और अचानक बिजली गुल होना स्वाभाविक नहीं लगता। 8 सदस्यीय राजग जांच दल का नेतृत्व कर रहीं हेमा ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने दावा किया कि करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली के दौरान आयोजन स्थल के संकरा होने और कार्यक्रम के दौरान बिजली कटने में कुछ तो गड़बड़ है। यह बातें स्वाभाविक नहीं हो सकती हैं। हेमा मालिनी 27 सितंबर को करूर के वेलुसामीपुरम में हुई भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए आए राजग के 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। इस भगदड़ में 41 लोगों की जांच चली गई और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। हेमा मालिनी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के लिए संकरा आयोजन स्थल मुहैया कराना उपयुक्त नहीं था। विजय की रैली के दौरान बिजली भी गुल हो गई थी, जो स्वाभाविक नहीं लगता है। रैली स्थल के चयन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक रैलियों का उचित ढंग से आयोजन किया जाना चाहिए और पूरी सुरक्षा के साथ उनका संचालन किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों को दी मदद भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल भी करूर पहुंचा।

मणिपुर में 2023 में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की

मुंबई में सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक अपराध के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में मणिपुर में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की। मणिपुर मई 2023 से जातीय हिंसा की चपेट में है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मणिपुर में चरमपंथियों द्वारा कुल 24 नागरिकों की हत्या की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, '2023 में ड्यूटी पर 15 पुलिसकर्मियों की हत्या हुई, जिनमें से 11 दंगाई भीड़ द्वारा मारे गए।' मणिपुर में हिंसक अपराध के 14 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए मणिपुर में चरमपंथियों/विद्रोहियों द्वारा गोलीबारी में 24 नागरिक मारे गए, जो 2023 में देश में सबसे ज्यादा है। राज्य में 14,427 हिंसक अपराध दर्ज हुए, जो पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे ज्यादा हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में पुलिस लाठीचार्ज में छह लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर की अदालतों द्वारा 2023 में 247 मामले सुनवाई के लिए भेजे गए, जबकि पिछले वर्षों के 5,594 मामले लंबित हैं।

मई 2023 से मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा में 260 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। आर्थिक धोखाधड़ी के मामले सबसे ज्यादा मुंबई में एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में साल 2023 में आर्थिक अपराध के 6,476 मामले दर्ज हुए, जो देश के महानगरों की सूची में सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, 2022 में मुंबई में दर्ज आर्थिक अपराधों की संख्या की तुलना में, 2023 में ऐसे मामलों में गिरावट देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2021 और 2022 में क्रमशः 5,671 और 6,960 ऐसे मामले दर्ज किए गए, लेकिन 2023 में यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 484 मामलों कम रहा। आर्थिक अपरा के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र का ग्राफ पिछले कुछ वर्षों में ऊपर की ओर बढ़ा है। 2023 में ऐसे अपराध 19,803 दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 18,729 और 2021 में 15,550 मामले दर्ज किए गए। राजस्थान 27,675 वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों के साथ पहले स्थान पर था, जबकि तेलंगाना 26,321 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर था। महाराष्ट्र इन दोनों राज्यों के बाद तीसरे स्थान पर रहा। साइबर अपराध के महाराष्ट्र में आठ हजार मामले दर्ज हुए साइबर अपराध के मामले में, महाराष्ट्र में 8,103 मामले दर्ज किए गए और वह चौथे स्थान पर रहा। कर्नाटक 2023 में 21,889 मामलों के साथ पहले स्थान पर था। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में 17,631 साइबर अपराध के मामलों के साथ बंगलूरू पहले स्थान पर रहा, जबकि 4,855 मामलों के साथ हैदराबाद दूसरे स्थान पर है। मुंबई में 2023 में साइबर अपराध के 4,131 मामले दर्ज किए गए।

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने किया था अपने ऊपर हमले का दावा, पुलिस ने बताया 'झूठ', बंद की जांच

नागपुर (एजेंसी)। पुलिस ने अनिल देशमुख पर हुई कथित पत्थरबाजी के मामले को फर्जी बताते हुए जांच बंद कर दी है और कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल की है। अब पुलिस ने शिकायतकर्ता पर झूठा मामला दर्ज कराने के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। पुलिस ने पिछले साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता अनिल देशमुख पर कथित तौर पर पत्थर से हमला करने के मामले की जांच बंद कर दी है। पुलिस ने कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल कर इसे झूठा मामला बताया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता पर मुकदमा दर्ज करने की मांगी अनुमति नागपुर ग्रामीण पुलिस ने इस रिपोर्ट को काटोल की कोर्ट में पिछले हफ्ते जमा किया, क्योंकि फोरेंसिक जांच और पूछताछ में शिकायत में किए गए दावे सही साबित नहीं हुए। पुलिस ने अदालत से शिकायतकर्ता के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। देशमुख के निजी सहायक ने दर्ज कराया था मामला अनिल देशमुख के निजी सहायक उज्ज्वल भोयर ने यह शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पत्थरों से हमला होने का आरोप लगाया था। यह घटना 18 नवंबर 2024 की बताई गई, जब देशमुख नागपुर जिले के नारखेड गांव से चुनाव प्रचार बैठक के बाद काटोल लौट रहे थे। शिकायत में क्या कहा गया था शिकायत में कहा गया था कि चार अज्ञात लोगों ने उनके कार पर पत्थर फेंके। एक पत्थर उनके सिर पर लगा जिससे उन्हें चोट लगी और कार के अंदर कांच के टुकड़े मिले। उस समय अनिल देशमुख अपने बेटे सलिल देशमुख के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो काटोल विधानसभा सीट से एनसीपी (एसपी) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। हालांकि, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) ने इस पत्थर से हमले के दावे को खारिज कर दिया।

'बाहरी बिजली आपूर्ति रुकने से यूक्रेनी परमाणु संयंत्र पर बढ़ा खतरा'

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख ने रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के दक्षिण में स्थित जापोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में सुरक्षा जोखिम बढ़ने की चेतावनी दी है। यह संयंत्र में एक हफ्ते से अधिक समय से बाहरी बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, क्योंकि उसके आसपास युद्ध जारी है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफाएल मारियानो ग्रोसी ने बताया कि कूलिंग प्रणाली के लिए आपातकालीन डीजल जनरेटर बिजली प्रदान कर रहे हैं, जो संयंत्र के छह बंद रिएक्टरों और उपयोग किए गए ईंधन के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के लिए फिलहाल कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। लेकिन यह परमाणु सुरक्षा के लिहाज से स्पष्ट रूप से एक टिकाऊ स्थिति नहीं है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि बैकअप जनरेटरों को इतने लंबे समय तक कभी चलाने की जरूरत नहीं पड़ी थी। उन्होंने मंगलवार देर शाम स्थिति को गंभीर बताया और कहा, जनरेटर और संयंत्र इसके लिए डिजाइन नहीं किए गए थे। जापोरिझिया दुनिया के दस सबसे बड़े परमाणु संयंत्रों में से एक है और युद्ध के बीच इसका भविष्य एक संभावित परमाणु संकट का खौफ पैदा कर रहा है। 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू होने के कुछ दिनों बाद रूसी सैनिकों ने इसे कब्जे में ले लिया था। आईएईए ने युद्ध के दौरान नाभिकीय सुविधाओं तक पहुंच बनाए रखने की कोशिश की है और खतरों के बारे में चेतावनी दी है। लेकिन दोनों पक्षों को नाराज नहीं करना चाहते। यूक्रेन के पास चार परमाणु संयंत्र हैं, लेकिन जापोरिझिया ही एकमात्र है जो रूसी कब्जे में है। ग्रोसी ने कहा कि जापोरिझिया को आपातकालीन जनरेटर अब तक अतिरिक्त दबाव को संभाल रहे हैं।

चक्रवाती तूफान के पांच दिन बाद आया भीषण भूकंप, 69 की मौत; मलबे में दबने से गईं अधिकतर जानें

मनीला (एजेंसी)। भूकंप का केंद्र 90 हजार की आबादी वाले सेबू प्रांत के तटीय शहर बोगो से करीब 19 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में जमीन के पांच किलोमीटर नीचे था। यहां कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलीपींस के केंद्रीय प्रांत में मंगलवार देर रात आए 6.9 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि घरों और इमारतों की दीवारें ढह गईं, जिसकी चपेट में आकर कम से कम 69 लोगों की मौत हुई है कई अन्य घायल हो गए। फिलीपींस के एक बड़े हिस्से में भूकंप के बाद बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई और लोग अंधेरे में घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र 90 हजार की आबादी वाले सेबू प्रांत के तटीय शहर बोगो से करीब 19 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में जमीन के पांच किलोमीटर नीचे था। यहां कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया है कि बोगो में राहत-बचाव कर्मी लगातार मलबे में तब्दील हुए घरों से लोगों को निकालने की कोशिशों में जुटे हैं। यहां गांव के गांव भूस्खलन के चलते मिट्टी के ढेर में दब गए। अधिकारियों के मुताबिक, मेडेलिन में घरों की छत और दीवार गिरने से अलग-अलग परिवारों के 12 लोग मारे गए। इनमें से कई लोग देर रात को गहरी नींद में थे। वहीं, सैन रेमिजियो कस्बे में एक बास्केटबॉल मैच के दौरान भूकंप से बचने की कोशिश कर रहे पांच लोगों की जान गई। इनमें तीन कोस्ट गार्ड, एक दमकलकर्मी और एक बच्चा शामिल है। भूकंप से दमकल केंद्र, सड़कों, गिरजाघर और कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय अधिकारियों ने खाद्य सामग्री और पीने के पानी की तत्काल जरूरत बताई है। फिलीपींस के वॉल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी संस्थान ने शुरूआती चेतावनी में सुनामी की आशंका जताई थी। इसमें लोगों को सेबू और आसपास के लेयते और बिलिरन प्रांत में तटीय क्षेत्रों से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। इन स्थानों पर एक मीटर (तीन फीट) ऊंची लहरें उठने की संभावना जताई गई थी। हालांकि, बाद में अलर्ट हटा लिया गया। गौरतलब है कि यह भूकंप ऐसे समय आया है जब फिलीपींस के कई इलाकों में दो दिन पहले ही भीषण तूफान ने जबरदस्त तबाही मचाई थी। इसमें कम से कम 27 लोगों की जान चली गई थी। इनमें से अधिकतर की मौतें पानी में डूबने और पेड़ों के गिरने से हुई थी। हजारों लोगों को खतरे वाली जगहों से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर रखा गया था। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में गिना जाता है फिलीपींस फिलीपींस दुनिया के उन क्षेत्रों में आता है जहां आपदा आने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। खासकर भूकंप का। दरअसल, फिलीपींस प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां अधिकतर भूकंप और ज्वालामुखी में विस्फोट होते हैं और यह क्षेत्र के लिए आम लोगों के लिए बड़ा खतरा बन जाता है।

शांति प्रस्ताव पर फैसले के लिए हमास के पास 3-4 दिन का समय, डेडलाइन के बाद ट्रंप की अंजाम भुगतने की धमकी

वॉशिडगटन (एजेंसी)। राटपति डोनाल्ड टडप ने व्हाइट हाउआ मेड मीडिया ओ बात करते हुए कहा, 'हमाआ या तो प्रअताव पर आहमत होगा और अगर ऐआा नहीड होता है, तो इआका अडत बहुत दुखद होगाव' हमाआ ने कहा कि वह अमेरिकी राटपति टडप के गाा शाडति प्रअताव पर प्रतिक्रिया देने ओ पहले इआपर विचार करेगा और अन्य फ्लअतीनी गुटेड के आथ भी चचाए करेगाव इस्त्राइली प्रधानमडआी बेडामिन नेतन्याहू पहले ही टडप के प्रअताव का आमथएन कर चुके हैड, लेकिन अभी यह आाफ नहीड है कि हमाआ इआ पर तैयार है या नहीडव प्रअताव मेड कहा गया है कि हमाआ प्रभावी प ओ आत्मआमपएण करे और निशअआीकरण करे, बदले मेड गाा मेड लडाइए आमाप्त होगीव फ्लअती नियोड के लिए मानवीय आहायता और गाा मेड पुनर्निएमाएण का वादा किया गया हैव 'हमाआ के पाआ आिफए तीन-चार दिन का आमय' टडप का कहना है कि हमाआ के पाआ प्रअताव पर प्रतिक्रिया देने के लिए 'तीन या चार दिन' का ही आमय हैव राटपति डोनाल्ड टडप ने व्हाइट हाउआ मेड मीडिया ओ बात करते हुए कहा, 'हमाआ या तो प्रअताव पर आहमत होगा और अगर ऐआा नहीड होता है, तो इआका अडत बहुत दुखद होगाव' राटपति ने कहा कि उनके नवीनतम शाडति प्रअताव मेड हमाआ के लिए बातचीत की यादा गुडाइश नहीड हैव कतर और मिस्त्र के अधिकारियोड ने हमाआ के वाताकाएरोड के आामने यह टडप का प्रअताव रखा है, ा इआकी आमीाा कर रहे हैडव टडप ने ओोमवार को कहा कि अगर हमाआ इआ आमौते पर आहमत नहीड होता है, तो इस्त्राइल को हमाआ को तबाह करने के लिए उनकी आरकार का पूरा आमथएन होगाव टडप ने कहा, 'मैड उन्हेड ा करना है, करने दूडगाव वे इआो बहुत आआानी ओ कर आकते हैडव' यूएन ने कहा- हम गाा मेड मदद के लिए तैयार आडयु राट का कहना है कि वह ब भी आडभव हो, वे गाा मेड आहायता पहुडचाने के लिए तैयार हैव टडप के प्रअताव मेड कहा गया है कि आहायता की आपूतिए इस्त्राइल या हमाआ के हअतोप के बिना होगी और आहायता आपूतिए आडयु राट और उआकी ऐडिआयोड, और रेड क्रिओडट के माध्यम ओ की ाएगीव आडयु राट की निवा प्रव ा एलेओडडा वेलुची ने कहा कि यूएन शाडति प्रयाओड को लेकर विभिन्न पोड के आडपकए मेड है।

मानवाधिकार हनन को लेकर यूएनएच आरआी मेड बेनकाब हुआ पाकिअतान

बलूचिअतान आडकट पर भी ताइए गइए चिडता

वॉशिडगटन (एजेंसी)। निवाव अडतरराटीय भू-रानीतिक शोधक ताऐश बोव्आ ने आडयु राट मानवाधिकार परिद (यूएनएच आरआी) के 60वेड आआ की 34वीड बैठक मेड पाकिअतान मेड हो रहे मानवाधिकार उल्लडघनोड और बलूचिअतान आडकट को उागर कियाव ाेश बोव्आ ने आडयु राट महाआभा मेड हुइए इआ बैठक मेड पाकिअतान की ाएआपी प्लआ अिथति पर यूरोपीय आडघ (इएयू) की टिप्पणियोड का हवाला और बलूचिअतान मेड हो रहे मानवाधिकार हनन पर चिडता ताइएव उन्होडने कहा कि पाकिअतान मेड मानवाधिकारोड के लिए वाबदेही और बलूचिअतान मेड लगातार री आडकट को लेकर गडभीर कारएवाइए की रत हैव बोव्आ ने अपने आडबोधन मेड बताया कि पाकिअतान वल्डए प्रेआ फ्रीडम आूची मेड 158वेड अथान पर हैव धामिएक अवतडआता पर यूएआआीआइएआरएफ की 2025 की रिपोटए के अनुआार, पाकिअतान मेड इएशनिडदा के आरोप मेड 700 ओ अधिक लोगे ल मेड हैडो पिछले वाए की तुलना मेड 300 फीआदी की वएृ उन्होडने बलूच लोगोड पर हो रहे अत्याचारोड की ानकारी देते हुए बताया, बलूच राटीय आडदोलन की मानवाधिकार इकाइए 'पाडक' ने केवल 2025 की पहली छमाही मेड 785 लोगोड के बरन गायब किए ाने और 121 हत्याओड को दए किया हैव वहीड, पश्तून नेशनल रिगा का कहना है कि आाल 2025 मेड अब भी 4000 ओ अधिक पश्तून लापता हैडव अपने आमापन भााण मेड बोव्आ ने यूएनएचआरआी ओ पाकिअतान मेड मानवाधिकार की अिथति की निगरानी को मबूत करने का आग्रह कियाव उन्होडने कहा, आडयु राट मानवाधिकार परिद ओ अनुरोध है कि वह यूरोपीय आडघ के आाथ आहयोगी तडओड की खो करे, ताकि पाकिअतान मेड मानवाधिकारोड की निगरानी को मबूत कियाा

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।